Literacy for a Billion

Movie: Masoom 1983
Year: 1983

Song: Tuzse Naraj Nahi Zindgi
Lyricist: Gulzar

पापा बुला सकूँगा

तुझसे नाराज़ नहीं ज़िन्दगी
हैरान हूँ मैं
हो ...
हैरान हूँ मैं

तेरे मासूम सवालों से
परेशान हूँ मैं
हो ...
परेशान हूँ मैं

तुझसे नाराज़ नहीं ज़िन्दगी
हैरान हूँ मैं
हो ...
हैरान हूँ मैं

तेरे मासूम सवालों से
परेशान हूँ मैं
हो ...
परेशान हूँ मैं

जीने के लिए
सोचा ही नहीं
दर्द सँभालने होंगे
जीने के लिए
सोचा ही नहीं
दर्द सँभालने होंगे
मुस्कुराएँ तो
मुस्कुराने के
कर्ज़ उतारने होंगे
हो ...
मुस्कुराऊँ कभी
तो लगता है
जैसे होंठो पे
क़र्ज रखा है

हो ...
तुझसे नाराज़ नहीं ज़िन्दगी
हैरान हूँ मैं
हो ...
हैरान हूँ मैं

ज़िन्दगी तेरे ग़म ने हमें
रिश्ते नए समझाए
ज़िन्दगी तेरे ग़म ने हमें
रिश्ते नए समझाए
मिले जो हमें
धूप में मिले
छाँव के ठंडे साए

तुझसे नाराज़ नहीं ज़िन्दगी
हैरान हूँ मैं
हो ...
हैरान हूँ मैं

आज अगर भर आई है
बूँदें बरस जाएगी

आज अगर भर आई है
बूँदें बरस जाएगी
कल क्या पता
किन के लिए
आँखें तरस जाएगी
हो ...
जाने कब गुम हुआ
कहाँ खोया
इक आँसू
छुपा के रखा था

हो ...
तुझसे नाराज़ नहीं ज़िन्दगी
हैरान हूँ मैं
हो ...
हैरान हूँ मैं

तेरे मासूम सवालों से
परेशान हूँ मैं
हो ...
परेशान हूँ मैं

हो ...
परेशान हूँ मैं
हो ...
परेशान हूँ मैं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.